यो संकट बैरी हो,
बालाजी जी त मारेगा।।

कदे सिर में कदे दर्द नाड़ में,
चौबीस घंटे भीचुं जाड़ में,
ना छोडे बैरी हो,
बालाजी जी त मारेगा,
यों संकट बैरी हो,
बालाजी जी त मारेगा।।

हाथ पैर में बेड़ी पड़ज्या,
घर रहता कदे बहार लिकड़ज्या,
छिड़गया बैरी हो,
बालाजी जी त मारेगा,
यों संकट बैरी हो,
बालाजी जी त मारेगा।।

मरती नागण ज्युं डोलुं हो,
दुखी हुई झूठ ना बोलुं हो,
मैं होगी भहरी हो,
बालाजी जी त मारेगा,
यों संकट बैरी हो,
बालाजी जी त मारेगा।।

भक्त कपिल तेरे दर लयाया,
कप्तान शर्मा चाह में आया,
संकट बैरी हो,
बालाजी जी त मारेगा,
यों संकट बैरी हो,
बालाजी जी त मारेगा।।

यो संकट बैरी हो,
बालाजी जी त मारेगा।।

गायक नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

Source: https://www.bharattemples.com/yo-sankat-bairi-ho-balaji-te-marega/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw